भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-456
दिनांक 03.02.2023 को उत्तर दिए जाने के लिए
.....
आंध्र प्रदेश में पीसीपीआईआर

456. श्री मारगनी भरत:
डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यवती:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 2009 में आंध्र प्रदेश में एक पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रो-केमिकल निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) की स्थापना का प्रस्ताव था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) आंध्र प्रदेश में इस पीसीपीआईआर की स्थापना में विलम्ब के क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार का इस पीसीपीआईआर की स्थापना में तेजी लाने का प्रस्ताव है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री (श्री भगवंत खुबा)

(क) और (ख): जी, हां। भारत सरकार ने फरवरी, 2009 में आंध्र प्रदेश राज्य (विशाखापत्तनम-काकीनाडा क्षेत्र) में पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) की स्थापना को मंजूरी दी थी।

(ग): विशाखापत्तनम पीसीपीआईआर, विशेष विकास प्राधिकरण ने अपने पास से दिनांक 15.03.2011 को मैसर्स एलईए एसोसिएट्स इंडिया को मास्टर प्लान सौंपा था। विस्तृत ड्राफ्ट मास्टर प्लान दिनांक 05.08.2013 को प्रकाशित किया गया था। ड्राफ्ट मास्टर प्लान में सुझावों और आपत्तियों को अंतिम रूप से शामिल करने का काम आंध्र प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुसार चल रहा है। एंकर टीनेंट के

लिए, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और गेल ने प्री-फीजीबीलटी अध्ययन किया है, लेकिन अभी तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। एंकर यूनिट के स्थान के चयन और क्रैकर परिसर की संरचना और क्षमता आदि को अंतिम रूप देने पर, मास्टर प्लान को अंतिम रूप दिया जाएगा और पर्यावरण संबंधी मंजूरी के लिए जन सुनवाई आयोजित की जाएगी।

(घ) और (ड.): आंध्र प्रदेश सरकार ने पीसीपीआईआर के कारण उस क्षेत्र के आम निवासियों की आजीविका, जीवन की गुणवत्ता और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के अध्ययन, सामाजिक अवसंरचना और आवास सहित एपी-पीसीपीआईआर की विकास संबंधी गतिविधियों के लिए दिनांक 24 मई, 2008 के जी.ओ. एमएस. सं. 373 के माध्यम से विशाखापत्तनम-पीसीपीआईआर - विशेष विकास प्राधिकरण (एसडीए) का गठन किया है। एंकर टीनेंट को अंतिम रूप दिए जाने के बाद आंध्र प्रदेश में पीसीपीआईआर के कार्य को फास्ट ट्रैक पर डाला जाएगा।

*****